वरिष्ठ शिक्षक व कलमकार कल्याण सिंह राजपूत केसर जी के निधन पर

अब यादें शेष... जो है विशेष

एक छोटे से गांव देहरिया साहू जिला देवास में अपनी शिक्षा संस्कार व समर्पण में कर्मवीर श्रेष्ठ शिक्षक जो बच्चों के प्रति सजगतापूर्वक ईमानदारी से शासकीय स्कूल में अपनापन रखते हुए अपना अव्वल दें रहा था। उन विधार्थीयो की योग्यता का बीज पूर्ण रूप से अंकुरित करने वाले और अपनी लेखनी से इस शब्द साधक ने ज्वलंतशील समस्याओं के प्रति जागरूकता पूर्व पत्र लेखक,कवि साहित्यकार कल्याण सिंह राजपूत केसर ने अपने देवास जिले का नाम रोशन किया। आज उनके निधन से एक खालीपन महसूस हो रहा है लेकिन उनके दिखाए हुए मार्ग पर छात्र छात्राओं का भविष्य संवरेगा,उनके साहित्य में कविताएं व लेखों के मध्यम से भविष्य को लक्ष्य मिलेगा और केसर की महक नई रोशनी हम सभी को दिखाई देगी। स्व श्री कल्याण सिंह राजपूत केसर जी का समाजिक व धार्मिक गतिविधियों में भी बहुत सहयोग रहता था। उनके ह्रदयघात से निधन की खबर से आज मन बहुत व्याकुल हो गया है, ऐसा कैसे क्यों इतने विराट व्यक्तित्व का इतनी जल्दी चला जाना बहुत दुखत है। श्रेष्ठ शिक्षक से सम्मानित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के उत्कृष्ट योगदान के लिए काव्य पाठ लेखन में शब्द प्रतिभा बहू क्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल द्वारा आप को मानक उपाधि दी गई थी। तभी तो आप लिखते थे कि दीपक भी मानव को मानव बनाने का प्रयास करता है, हमेशा से प्रयासरत रहा। तेल बत्ती और खुद जलकर लोगों के अंधेरे में रोशनी फैलने का प्रयास करता है, मानव यादि परमार्थ के कार्य कर उजड़े हुए घर ग़रीब अनाथ के जीवन में परमार्थ का कार्य कर रोशनी फैला सकते हैं। आप भावनात्मक ही नहीं समाजिक दृष्टिकोण के परखीं थे। उन्होंने अपने शिक्षक धर्म का भी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से किया। कमजोर वर्ग गरीब वंचित को उच्च शिक्षा सही रूप से मिले, इस पर भी आप ने कई आलेख लिखे। वह तो बच्चों के जीवन चरित्र को तो संवारते ही थे, इसके साथ साथ उन्हें बुराईयों से दूर रहने की सलाह भी देते हैं। राजपूत जी का पत्र लेखन पिछ्ले कई वर्षों से जारी था। हर एक अखबार में उनके पत्र प्रकाशित होते थे। क्योंकि आप ज्वलंतशील मुद्दों व समस्यो के प्रति बहुत गहरी बात शासन प्रशासन व जवाबदार लोगों तक पहुंचाते थे, जो अपने कर्तव्य से विमुख हो रहें हैं। उनका नाम में केसर जुड़ा हुआ था, इसलिए उनकी महक पूरी दुनिया में फैली। उच्चाई पर भी उन्होंने अपनी जमीं का साथ नहीं छोड़ा,वह सज्जन व सरल और बहुमुखी प्रतिभा के साथ साथ श्रेष्ठ शिक्षक रहे। आप ने गांव के शासकीय हाई स्कूल घाटियां गयासुर ज़िला देवास मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम में अच्छा प्रदर्शन किया, और ग्रामीण क्षेत्र में शासकीय स्कूलों में पढ़ाई के प्रति नये सुत्रधर के रूप में उन्होंने अपने आप को समर्पित किया था। अब यादें शेष जो है विशेष, 'एक कलम, जो लिखती थी दिल से... वो सदा के लिए शांत हो गई।' मालवांचल के गौरव, प्रसिद्ध साहित्यकार, समर्पित शिक्षक एवं हमारे प्रिय साथी कल्याण सिंह राजपूत 'केसर' जी(लेखकः 'केसर की कलम ') के आकस्मिक एवं दुःखद निधन पर हम अत्यंत स्तब्ध और शोकाकुल हैं। शिक्षा और साहित्य जगत में आपके अद्वितीय योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

हरिहर सिंह चौहान जबरी बाग नसिया इन्दौर मध्य-प्रदेश

फायर ऑडिट में गड़बड़ी तो लाइसेंस होगा रद्द

इंदौर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सख्त ; पुराने ऑडिट की 5 दिन में जियो-टैग फोटो सहित होगी जांच

इंदौर शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इंदौर नगर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है। अब फायर ऑडिट रिपोर्ट में लापरवाही, गलत जानकारी या सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले फायर कंसल्टेंट्स पर लाइसेंस निरस्तीकरण तक की कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर सिटी बस कार्यालय में आयोजित बैठक में अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने फायर कंसल्टेंट्स, फायर इंजीनियरों और फायर सेफ्टी एजेंसियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि फायर ऑडिट केवल कागजी प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनसुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारी है। निर्धारित मानकों के विपरीत तैयार की गई रिपोर्ट स्वीकार नहीं की जाएगी।

पुरानी रिपोर्टों का होगा सत्यापन

बैठक में निर्देश दिए गए कि शहर के सभी पुराने फायर ऑडिट की पांच दिन में जियो-टैग फोटो सहित पुनः जांच की जाए। कि फायर ऑडिट रिपोर्ट में भवनों में संचालित सभी गतिविधियों का उल्लेख करना होगा। बेसमेंट या रूफटॉप पर चल रहे रेस्टोरेंट जैसी गतिविधियों की जानकारी छिपाने पर भी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा मानकों पर नहीं होगा समझौता

अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने कहा कि अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निगम का उद्देश्य केवल जांच करना नहीं, बल्कि शहर के भवनों को सुरक्षित बनाना है।बैठक में फायर ऑफिसर विनोद मिश्रा, भवन अधिकारी शैलेंद्र मिश्रा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी, फायर कंसल्टेंट्स और फायर सेफ्टी एजेंसियों के प्रतनिधि मौजूद थे। निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर नियमित निरीक्षण और निगरानी आगे भी जारी रहेगी।

कार्टून कोना

भारत का निर्यात 69% गिरा, जून में सिर्फ 30 हजार टन शिपमेंट ; वैश्विक मांग और कीमतें बनी चुनौती

महंगे दाम कमजोर मांग से सोया मील निर्यात को झटका

इंदौर अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंची कीमतों और कमजोर मांग के चलते भारत के सोया मील निर्यात में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। जून में देश से सोया मील का निर्यात 69 प्रतिशत घटकर केवल 30 हजार टन रह गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 97 हजार टन निर्यात हुआ था।

इंदौर स्थित सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) ने सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी।सोपा के अनुसार, भारतीय सोया मील लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में महंगा बना हुआ है। इसका असर विदेशी खरीदारों की मांग पर पड़ा है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख आयातक देशों में कमजोर मांग ने निर्यात की गति को और प्रभावित किया है।

नौ माह में 15.60 लाख से घटकर 9 लाख टन निर्यात

चालू तेल विपणन वर्ष (अक्टूबर 2025-सितंबर 2026) के पहले नौ महीनों में भारत का सोया मील निर्यात करीब 9 लाख टन रहा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 15.60 लाख टन था। यानी निर्यात में करीब 6.60 लाख टन की कमी आई है।सोपा के कार्यकारी निदेशक डी.एन. पाठक ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों की प्रतिस्पर्धा भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। अन्य उत्पादक देशों से सस्ता सोया मील मिलने के कारण भारतीय निर्यात पर दबाव बढ़ा है।

5.52 लाख टन उत्पादन, घरेलू खपत ने संभाला बाजार

सोपा के आंकड़ों के अनुसार, जून में देश में 5.52 लाख टन सोया मील का उत्पादन हुआ। इसमें 75 हजार टन का उपयोग मानव उपभोग के लिए और करीब 5 लाख टन का उपयोग पशु, पोल्ट्री एवं मछली आहार के लिए किया गया। माह के अंत में पुराने स्टॉक सहित कुल उपलब्ध भंडार 1.27 लाख टन रहा।सोया मील सोयाबीन से तेल निकालने के बाद बचा उत्पाद है। प्रोटीन की अधिकता के कारण इसका उपयोग खाद्य उत्पादों के साथ-साथ पशु, पोल्ट्री और मछली आहार उद्योग में बड़े पैमाने पर किया जाता है।

निर्यातकों के सामने दोहरी चुनौती

सोया मील उद्योग के सामने एक ओर घरेलू उत्पादन और स्टॉक का दबाव है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक बाजार में कीमतों की प्रतिस्पर्धा बड़ी चुनौती बनी हुई है। निर्यात में सुधार के लिए अंतरराष्ट्रीय मांग में तेजी और भारतीय सोया मील की प्रतिस्पर्धी कीमतें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कर्पूरी ठाकुर ओबीसी संगठन के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश श्रीवास का जन्मदिनमनाया

इन्दौर सेन समाज इंदौर रजिस्टर्ड 94के उपाध्यक्ष केलाश हर्षवाल सह सचिव दीपक परमार एडवोकेट जननायक कपूरी ठाकुर श्ङ्क्ष संगठन रजिस्टर्ड भारत इंदौर राष्ट्रीय प्रवक्ता सुभाष वर्मा सेन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि एमपी श्रीवास सेन समाज के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष सेन समाज इंदौर के प्रमुख सदस्य प्रथम बार निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन निशुल्क परिचय सम्मेलन का आयोजन करने वाले कैलाश श्रीवास संदलपुर का जन्मदिन('अवतरण दिवस ')संत शिरोमणि सेन जी महाराज की प्रतिमा पर 11 जुलाई 2026 को प्रातः 10:00 बजे श्री श्री 108 भरत कुमार जी निम की उपस्थिति में कैलाश श्रीवास के जन्मदिन के अवसर पर गोसेवा कर शनि महाराज को तेल अर्पित कर हवन कर भगवान गणेश शनि महाराज से समाज की एकता का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने स्वस्थ होने की कामना कर जन्मदिन मनाया प्रारंभ में संत शिरोमणि सेन जी महाराज का स्नान करवाकर अभिषेक कर कैलाश श्रीवास् संदलपुर भरत कुमार निम जननायक कर्पूरी ठाकुर ओबीसी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुवीर सिंह जी श्रीवास, मध्य प्रदेश गुजराती सेन समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौहान सेन समाज इंदौर के उपाध्यक्ष कैलाश हर्शवाल सह सचिव दीपक परमार एडवोकेट भारतीय सेन समाज के राष्ट्रीय प्रवक्ता नवरत्न बैराठी सराठे सेन समाज कल्याण समिति के दिलीप सेन, सेन समाज इंदौर रजिस्टर्ड 94 के सुभाष वर्मा सेन, ,राजावटी सेन समाज के घनश्याम मंगरोलिया मोहन मांगरोलिया मदन सेन श्रीवास सेन समाज के जगदीश श्रीवास विकास श्रीवास महेश वर्मा द्वारकापुरी कृष्णकांत श्रीवास लोरास लोकेश श्रीवास खारपा प्रवीण माथुर भोपाल जननायक कर्पूरी ठाकुर के शहर उपाध्यक्ष निलेश जायसवाल ब्राह्मण समाज के आदरणीय नितेश जोशी जी सुश्री ममता पाल श्रीमती दीपिका वर्मा आदि की ओर से पूजन अभिषेक कर मिल्क केक से बना केक काटा गया पश्चात प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की प्रेरणा से नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के आव्हान एक पेड़ मां के नाम पर सभी ने पौधारोपण किया

राजेंद्र सिंह सिसोदिया करणी सेना में नगर संयोजक

इंदौर। करणी सेना प्रमुख आदरणीय श्री अनुराग प्रताप सिंह राघव जी की अनुशंसा पर श्री राजेंद्र सिंह सिसोदिया जी को टीम अनुराग प्रताप सिंह राघव करणी सेना में नगर संयोजक के महत्वपूर्ण दायित्व पर मनोनीत किया गया है।शहर अध्यक्ष अमित सिंह जादौन जी द्वारा लिए गए इस निर्णय के बाद मंगलवार को जिला अध्यक्ष श्री राहुल सिंह पवार जी ने उन्हंन विधिवत नियुक्ति पत्र प्रदान किया।नवनियुक्त नगर संयोजक राजेंद्र सिंह सिसोदिया उर्फ राजेंद्र ठाकुर को पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस गरिमामय अवसर पर प्रदेश संयोजक ठाकुर संतोष सिंह जी, इंदौर शहर प्रभारी गजेंद्र सिंह चौहान जी, हरेंद्र सिंह चौहान जी, राहुल बन्ना दरबार सिंह परमार जी, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, विक्रांत बन्ना, राहुल बन्ना सोलंकी, शुभम बन्ना, पूर्व पार्षद संजय कटारिया जी एवं शैलेंद्र सिंह राणा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

5 वर्ष की नन्ही काशवी ने कंठस्थ कर भक्तामर स्त्रोत्र का वाचन किया

इंदौर। मात्र 5 साल की बेटी काशवी सेठी ने मात्र 60 दिनों में ही सम्पूर्ण भक्तामर स्त्रोत्र के 48 काव्य(छंद)को कंठस्थ याद कर बहुत ही सुंदर,मधुरम्य वाणी में भक्ताम्बर स्त्रोत्र का वाचन किया।

31 जुलाई तक दाखिल करें आयकर रिटर्न, देरी पर लगेगा जुर्माना और ब्याज

आईटीआर भरने की डेडलाइन तय

। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि नजदीक आने के साथ ही करदाताओं को समय रहते रिटर्न भरने की सलाह दी जा रही है। आयकर विभाग ने स्पष्ट किया है कि अंतिम समय का इंतजार करने के बजाय अभी से दस्तावेज तैयार कर रिटर्न दाखिल करें। देरी होने पर जुर्माना, ब्याज और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सीए अंकुश खंडेलवाल के अनुसार नौकरीपेशा, पेंशनभोगी, व्यवसायी और पेशेवर वर्ग के करदाताओं को अपने आय संबंधी सभी दस्तावेज पहले से तैयार रखने चाहिए। फॉर्म-16, बैंक स्टेटमेंट, टीडीएस विवरण, निवेश और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की सही जानकारी के आधार पर ही रिटर्न दाखिल करें। गलत जानकारी या दस्तावेजों में त्रुटि होने पर बाद में संशोधन की प्रक्रिया अपनानी पड़ सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर आईटीआर दाखिल करने से न केवल जुर्माने से बचा जा सकता है, बल्कि बैंक ऋण, वीजा, आय प्रमाण और अन्य वित्तीय कार्यों में भी आसानी होती है। वहीं अंतिम दिनों में पोर्टल पर अधिक लोड होने से तकनीकी समस्याएं भी आ सकती हैं, इसलिए पहले ही रिटर्न दाखिल करना बेहतर रहेगा।

यदि कोई करदाता निर्धारित समय सीमा के बाद रिटर्न दाखिल करता है तो आयकर अधिनियम के तहत 5 हजार रुपये तक का विलंब शुल्क लग सकता है। कुछ मामलों में, जहां कुल आय निर्धारित सीमा से कम होती है, वहां कम जुर्माने का प्रावधान भी है। इसके अलावा बकाया कर होने पर ब्याज का भुगतान भी करना पड़ सकता है।

इन तारीखों का रखें ध्यान

31 जुलाईः नौकरीपेशा, पेंशनभोगी और ऐसे करदाता जिनका ऑडिट नहीं होता, उनके लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि।

31 अक्टूबरः ऑडिट वाले व्यवसायों और संस्थानों के लिए अंतिम तिथि।

30 नवंबरः ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े विशेष मामलों के लिए अंतिम तिथि।

कर सलाहकारों का कहना है कि समय पर आईटीआर दाखिल करना हर करदाता की जिम्मेदारी है। इससे भविष्य में किसी भी प्रकार की वित्तीय या कानूनी परेशानी से बचा जा सकता है।

सेवा सेतु शिक्षा एवं जनकल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

इंदौर। सेवा सेतु शिक्षा एवं जनकल्याण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को पंडित श्री राजेश कुमार शुक्ला के निवास, जति कॉलोनी, रामबाग, इंदौर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शैलेश त्रिपाठी ने की, जबकि संचालन शहर अध्यक्ष हिमांशु यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

बैठक में समिति के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति एवं युवा साथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के दौरान आगामी दिनों में शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, यातायात जागरूकता, रक्तदान, जनसेवा एवं अन्य सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न जनहित कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई

तथा उन्हें चरणबद्ध तरीके से पूरे शहर में संचालित करने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शैलेश त्रिपाठी ने कहा कि सेवा सेतु शिक्षा एवं जनकल्याण समिति का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा की भावना को पहुँचाना है। बैठक में मुख्य रूप से

श्री मति सरिता तिवारी,योगेश शुक्ला, संजय तिसगावकर, आशीष शुक्ला, विश्वास द्विवेदी, नितिन यादव,अंतर सिंग़ राजपूत, जीतू शर्मा आदि उपस्थित थे

दतिया उपचुनाव – स्टार प्रचारकों में कैलाश विजयवर्गीय व गौरव रणदिवे शामिल, ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रभारी होने के बावजूद तुलसीराम सिलावट गायब

इन्दौर प्रदेश भाजपा ने दतिया उप चुनाव हेतु जारी स्टार प्रचारकों की सूची में इन्दौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक एक से विधायक और केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तथा प्रदेश भाजपा महामंत्री गौरव रणदिवे को शामिल किया है। प्रदेश भाजपा द्वारा जारी इस सूची में मुख्यमंत्री, केंद्रीय व प्रदेश मंत्री सहित मप्र के 40 दिग्गजों को शामिल किया गया वहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया के चुनाव प्रभारी होने के बावजूद मंत्री तुलसीराम सिलावट को नहीं लिया है।

ज्ञात हो कि दतिया विधानसभा उप चुनाव में भाजपा ने पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी घोषित किया है वही कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को उम्मीदवार बनाया है। इस उपचुनाव हेतु प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जो 40 स्टार प्रचारकों की जो सूची जारी की है उसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री सिंधिया के अलावा शिवराज सिंह चौहान व वीरेंद्र खटीक को लिया गया। साथ में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश व क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के साथ प्रदेश के मंत्रियों और संगठन के प्रमुख नेताओं को लिया गया। सूची में इंदौर से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे को भी स्थान दिया गया। पहली बार रणदिवे स्टार प्रचारक की सूची में शामिल हुए हैं। वहीं सिंधिया के चुनाव प्रभारी होने के बावजूद मंत्री तुलसीराम सिलावट को शामिल नहीं किया जाना चर्चा का विषय बन गया है।